पहला कदम

मसीह के साथ आरम्भ करना

बॉब गार्डन
डेविड फारडौली

AR-0179

पहला कदम

मसीह के साथ आरम्भ करना

बॉब गॉर्डन

डेविड फारडौली के साथ

पहला कदम

मसीह के साथ आरम्भ करना
(Hindi)

First Steps

Starting out with Jesus

Author
Bob Gordon
with
David Fardouly

©1988 Bob Gordon

Sovereign World Ltd
PO Box 777
Tonbridge
Kent TN11 0ZS
England

All rights reserved.
No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or be transmitted in any form or by any means, mechanical, electronic, photocopying or otherwise, without the prior written consent of the publisher.

Translated by Rev. Francis Murmu
Katihar

2004
First Edition
1000 copies

Published by
New India Evangelistic Association
P.O. Box 1, Purnia P.O & Dist.
Bihar 854 301 India
Tel: 06454- 230439
Email:newbihar@sancharnet.in

Printed at
St. Joseph's Press
Trivandrum - 695 014
Kerala

विषय सूचि

परिचय

अध्ययन 1 – यीशु के कार्य 1

अध्ययन 2 – परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा 7

अध्ययन 3 – अब मैं परमेश्वर के मार्ग में जा रहा हूँ 15

अध्ययन 4 – परमेश्वर के वचन को पढ़ना 23

अध्ययन 5 – प्रार्थना : दो तरफा संचार 29

अध्ययन 6 – दूसरे मसीही विश्वासियों के साथ संगति रखना 35

अध्ययन 7 – आत्मा प्राण और देह 41

अध्ययन 8 – पवित्र आत्मा की सामर्थ 47

अध्ययन 9 – किस बात के लिए इन्तजार करें 55

अध्ययन 10– गवाही देना 61

शब्द संग्रह 67

आखिरी बात 69

परिचय

इस अध्ययन को पूर्ण करनें की सबसे अच्छी विधि है एक व्यक्ति के द्वारा सहयोग लेना जो स्थानीय कलीसिया के द्वारा ठहरायें गयी है । आप को यह सलाह दी जाती है की आप पहले अपने से हर एक अध्ययन को पूर्ण कर लें तत्पश्चात ठहराया गया व्यक्ति से सहायता लें ताकि आप समझ सकें जो कुछ आप ने पढ़ लिया है तथा अपने प्रश्नों का उत्तर दे सकें। वे लोग वहाँ आप की सहायता करेंगे तथा आपका मित्र बनेंगे आप के मसीही जीवन के आरम्भ में एक छोटे झुण्ड के भाग के रुप में भी यह अध्ययन माला सम्भव है अथवा अपने स्वंय के प्रयास के द्वारा भी जब आप इस अध्ययन को जारी रखते हैं, प्रतीक्षा करें कि परमेश्वर आप से वार्तालाप करें और अपने विषय में और प्रगट करें। प्रार्थना करें (अथवा वार्तालाप करें) परमेश्वर से इससे पहले कि आप इस अध्ययन को आरम्भ करते हैं। जो कुछ आप पढ़ रहे हैं उसे समझने के लिये उसकी सहायता मांगें और देखें, किन बातों को अपने जीवन में लागु करना है। अध्ययन के दौरान जल्दवाजी न करें यदि आप इन अध्ययनों को दूसरे के साथ कर रहे हैं तो समय को इस प्रकार निकालें जो एक दूसरे के लिये सुविाजनक हो एक साथ आगे बढ़ने के लिये समूह अपना समय स्वयं तय करें। यदि आप इस अध्ययन को अकेले ही कर रहे हैं तो एक दिन में एक से अधिक अध्ययन करने का प्रयास न करें (1 और 2 को छोड़कर ये एक साथ पूर्ण किये जा सकते हैं।)

बाइबल के सन्दर्भो को संक्षिप्त में लिखा गया है, अर्थात –

1	यूहन्ना	2:	3
पुस्तक की संख्या (जहां आवश्यक हो)	पुस्तक का नाम	अध्याय संख्या	पद संख्या

यदि एक से अधिक पद उल्लेख किया गया तो पहला से लेकर अन्त तक पढ़े अर्थात–1–3 इसका अर्थ है पद 1, 2 और 3 पढ़े।

अधिकांश बाइबल में प्रथम पृष्ठ में अथवा उसके निकट विषय सूचि दिया गया है जिससे आप पुस्तक की पृष्ठ संख्या प्राप्त कर सकते हैं जो उल्लेख किया गया है।

सूचना :– अगर आपको इस पुस्तक के किसी भी भाब्द को समझने में मुकिल हो रही हो, तो आप इस पुस्तक के अन्तिम पृष्ठ पर उपलब्ध भाब्द सूची में इसकी जाँच कर सकते हैं।